[This question paper contains 6 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 9096

Unique Paper Code : 12051402

Name of the Paper : हिंदी कविता (छायावाद के बाद)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी प्रश्न** अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (15)

(क) अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रोबीला चेहरा

आहिस्ते से बोलारू हाँ सा'ब

लाख कहता हूँ नहीं मानती मुनिया

टाँगे हुए है कई दिनों से

अपनी अमानत

यहाँ अब्बा की नजरों के सामने

मैं भी सोचता हूँ

क्या बिगाड़ती हैं चूड़ियाँ

किस जुर्म पे हटा दूँ इनको यहाँ से?

अथवा

जैसे कोई बिजली कौंध जाए

एक दबी हुई स्मृति

झकझोर जाती है मुझे

और मुझे लगता है कहीं मेरे भीतर भी है

एक पागल स्त्री

जो दरवाजों को पीटती

और दीवारों को खुरचती हुई

उसी तरह लगा रही है चक्कर

मेरे उपमहाद्वीप के विशाल नक्शे में

न जाने कब से।

(ख) हाड़-माँस की गठरी-सा जीवन

जीवित जैसे नंगी डाल है,

खड़-खड़ कर उड़ते खग से पत्ते

फैला भू-पर झिलमिल जाल है,

आँखों का स्वप्न मिटा जा रहा है

पुरवैया धीरे बहो।

अथवा

लेकिन इससे भी हैरतअंगेज है चोरी की एक घटना

जो सम्पूर्ण क्षेत्र में आज भी चर्चा का विषय है-

कहते हैं एक चोर सेंध मार घर में घुसा

इधर-उधर टो-टा किया और जब कुछ न मिला

तब चुहानी में रक्खा बासी भात और साग खा

थाल वहीं छोड़ भाग गया-

वो तो पकड़ा ही जाता यदि दबा न ली होती डकार।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्हीं दो** का रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए। (15)

(क) जिनकी सेवाएँ अतुलनीय
पर विज्ञापन से रहे दूर
प्रतिकूल परिस्थिति ने जिनके
कर दिए मनोरथ चूर-चूर!
उनको प्रणाम!

(मूल संवेदना)

(ख) राष्ट्रगीत में भला कौन वह
भारत-भाग्य-विधाता है
फटा सुथन्ना पहने जिसका
गुन हरचरना गाता है।

(व्यंग्यात्मकता)

(ग) इन नये बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नये-नये मकान
मैं अक्सर रास्ता भूल जाता हूँ

धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
जमीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बायें
मुड़ना था मुझे।

(भाव-सौन्दर्य)

3. अज्ञेय की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

'धूमिल की कविता सामान्य जन की पीड़ा को अभिव्यक्ति देती है', इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. 'अकाल और उसके बाद' कविता की मूल संवेदना का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

नवगीत-परम्परा में शंभुनाथ सिंह का योगदान स्पष्ट कीजिए।

5. 'अपनी केवल धार' कविता की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर केदारनाथ सिंह की काव्य-कला का विवेचन कीजिए ।